भोलेनाथ की दीवानी | by Gunjan & Astha (Namdev Sisters)

आँख तीसरी खोले है
ब्रह्माण्ड ये सारा बोले है
हर हर माला जपते जो
कष्ट हरते मेरे भोले हैं
अजर अमर अविनाशी वो
कृपा सिंधु औघड़दानी
भोलेनाथ की दीवानी मैं हूँ नाथ की दीवानी
भोलेनाथ की दीवानी.....

खोल जटाएं करता तांडव इन्द्र भी थर थर कांपे है
काल भी उसका क्या करे जा को भोला हर राखे है
भसम सिंगार तन पीताम्बर उसकी धरती और ये अम्बर
रचयिता इस सृष्टि का दयालु भोला कश्ती का
एक बेल पत्र में वो मान जाए भांग धतूरा उसको भाये
कण्ठनील ना मांगे अमृत सृष्टि खातिर विष पी आये
भोलेनाथ.....।

रूद्र रूपाय ॐ नमः शिवाय
एक बार जो दर्शा दिखाए
मोह माया फिर लगती झूठी
जो शम्भू में लीन हो जाए
मस्तक पे चाँद त्रिशूल हाथ में महादेव की निशानी
भोलेनाथ की दीवानी मैं हूँ नाथ की दीवानी
भोलेनाथ की दीवानी.....

आँख तीसरी खोले है
ब्रह्माण्ड ये सारा बोले है
हर हर माला जपते जो
कष्ट हरते मेरे भोले हैं
अजर अमर अविनाशी वो
कृपा सिंधु औघड़दानी
भोलेनाथ की दीवानी मैं हूँ नाथ की दीवानी
भोलेनाथ की दीवानी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-gunjan-astha-namdev-sisters/